जैन पुराणों का सांस्कृतिक अध्ययन (फोल्डर नं. ००१३५०)

मुख्य टाइटल
समर्पण
प्रकाशकीय ---------- ५
आशीर्वचन ---------- ७
पुरोवाक् ---------- ९
प्राक्कथन ---------- ११
विषयानुक्रम ---------- १९
१. साक्ष्य अनुशीलन ---------- १-२२
(क) पुराण-व्याख्या – पारम्परिक एवं जैन दृष्टिकोण ---------- १-३
(ख) इतिवृत्त एवं इतिहास शब्द का परिशीलन ---------- ३-४
(ग) जैन पुराणों का उद्भव और विकास ---------- ४-१६
(घ) जैन पुराणों का रकचना-काल ---------- १६-१७
(ङ) जैन पुराणों की विशेषताएँ ---------- १७-२०
(च) प्रस्तुत अनुसंधान की पृष्ठभूमि एवं योजना ---------- २०-२२
२. सामाजिक व्यवस्था ---------- २३-१७९
(क) प्रारम्भिक स्वरूप एवं कुलकर परम्परा ---------- २३-३१
(ख) वर्ण-व्यवस्था ---------- ३२-५३
(ग) आश्रम-व्यवस्था ---------- ५४-६४
(घ) संस्कार क्रिया ---------- ६५-९०
(ङ) विवाह ---------- ९१-१०१
(च) पुरुषार्थ ---------- १०२-१०५
(छ) स्त्री-दशा ---------- १०६-१२९
(ज) भोजन-पान (आहार) ---------- १३०-१४२
(झ) वस्त्र एवं वेशभूषा ---------- १४३-१५०
(ञ) आभूषण ---------- १५१-१६३
(ट) प्रसाधन ---------- १६४-१६७
(ठ) मनोरञ्जन ---------- १६८-१७४
(ड) धार्मिक एवं सामाजिक उत्सव ---------- १७५-१७९
३. राजनय एवं राजनीतिक व्यवस्था ---------- १८०-२३०
(क) राजनय स्वरूप एवं सिद्धान्त ---------- १८१-१८९
(ख) राजा और शासन व्यवस्था ---------- १९०-२२०
(ग) सैन्य-संगठन ---------- २२१-२३०
४. शिक्षा और साहित्य ---------- २३१-२४५

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

(क) शिक्षा ---------- २३१-२३८
(ख) साहित्य ---------- २३९-२४५
५. कला एवं स्थापत्य ---------- २४६-२८१
(क) जन-सन्निवेश – स्वरूप एवं प्रकार ---------- २४६-२५२
(ख) वास्तु एवं स्थापत्य कला ---------- २५३-२७६
(ग) मूर्तिकला ---------- २७७-२८१
६. ललित कला ---------- २८२-३१४
(क) संगीत कला ---------- २८२-३०५
(ख) चित्रकला ---------- ३०६-३१०
(ग) विविध ललित कला ---------- ३११-३१४
७. आर्थिक व्यवस्था ---------- ३१५-३३३
(क) आर्थिक उपादान ---------- ३१५-३१९
(ख) आजीविका के साधन ---------- ३२०-३२७
(ग) व्यापार और वाणिज्य ---------- ३२८-३३३
८. धार्मिक व्यवस्था ---------- ३३४-३९७
(क) दार्शनिक पक्ष ---------- ३३४-३६३
(ख) धार्मिक पक्ष ---------- ३६४-३९७
९. भौगोलिक दशा ---------- ३९८-४५४
(क) देश (राष्ट्र) ---------- ३९८-४१६
(ख) नगर ---------- ४१७-४३८
(ग) पर्वत ---------- ४३९-४४६
(घ) नदी ---------- ४४७-४५४
संदर्भ ग्रन्थ ---------- ४५५-४८१
शब्दानुक्रमणिका ---------- ४८३-४९२
चित्र फलक ---------- ४९३-५३२

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org